एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

कृषक के लिए कृषि रसायनों की सावधानियां

(*राम नारायण शर्मा[1] एवं प्रदीप कुमार कुमावत[2])
[1]राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर (श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)
[2]शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू कश्मीर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: sramnarayan75@gmail.com

युग में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए कृषि रसायनों का प्रयोग अधिक किया जा रहा है, अधिकतम व स्वस्थ उपज प्राप्त करने हेतु विभिन्न कीटो (Insect), रोगजनक (Pathogen), व खरपतवार (Weeds) आदि से फसल सुरक्षा अतिआवश्यक है। अच्छे फसल उत्पादन हेतु बुवाई से लेकर कटाई तक रसायनों का प्रयोग किया जाता है। बीज की बुवाई से पहले बीजउपचार तथा बुवाई के पश्चात कीट, रोग नियंत्रण हेतु रासायनिक दवाओं का प्रयोग करके किए जाते हैं।

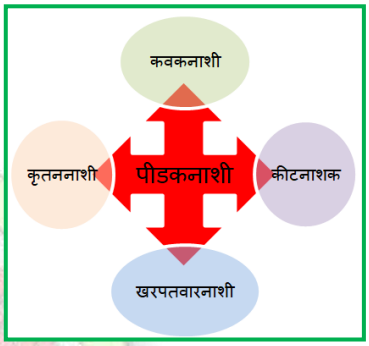

फसल सुरक्षा में उपयोग होने वाले कृषि रसायन जैसे; कवकनाशी (Fungicides), खरपतवारनाशी (Herbicides), कीटनाशक (Insecticides) व कृतननाशी (Rodenticides) व अन्य रसायन जो फसल सुरक्षा की मात्रात्मक और गुणात्मक वृद्धि के लिए उपयोग किए जाते हैं। प्राय विषैले तथा पर्यावरण व जीवो के स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक होते हैं।

रसायनों को खरीदते समय सावधानी रखना ही उतना ही आवश्यक है जितना कि इनको उपयोग करते समय रखनी चाहिए कृषि रसायनों को संतृप्त मात्रा से कम या ज्यादा प्रयोग नहीं करना चाहिए। इनके गलत प्रभाव या सावधानीपूर्वक प्रयोग करने के लिए किसान को या तो अनुमति परिणाम नहीं मिलते हैं या फिर बहुत ही हानिकारक परिणाम सामने आते हैं। यह मनुष्य स्वास्थ्य, जीव जंतुओं व पर्यावरण तथा कृषि फसल के प्रति भी हानिकारक सिद्ध होते है।

कृषि रसायनों की खरीदारी करते समय सावधानियां

कीट के बारे में पहचान- क्या किसी विशेषज्ञ द्वारा इसकी उचित पहचान की गई है? गलत पहचान के कारण समय पैसा और फसल बर्बाद हो सकता है। पैकेट ऊपर लिखे निर्देशों में अपने कीट को देखें। आपकी समस्या के लिए कौन से उत्पाद सबसे उपयुक्त होंगे। कीट को पूरी तरह से खत्म करना संभव नहीं हो सकता है, लेकिन आप आबादी को आरामदायक स्तर (EIL) तक कम रखने में सक्षम हो सकते हैं।

रसायन कितना विषैला है, इसकी जानकारी रसायन के पैकेट पर विभिन्न रंगों के द्वारा दी जाती है जिसका ज्ञान होना आवश्यक है। रसायनों को निष्क्रिय तिथि (Expiry date) वह उसके उपस्थित सक्रिय

तत्व (Active integrants) की मात्रा को देखकर ही खरीदना चाहिए। बिना पैकेजिंग बिना पैकिंग या टूटी-फूटी या कटी-फटी पैकिंग में बिकने वाले रसायन नहीं खरीदनी चाहिए।

कृषि रसायनों के प्रयोग करने से पहले सावधानियां: किसानों को कृषि रसायनों के प्रयोग से पहले सावधानी प्राप्त करके आर्थिक लाभ लेना चाहिए रसायनों के उपयोग करने से पहले संबंधित यंत्र उपकरणों तथा स्प्रेड आदि की जांच कर लेनी चाहिए ताकि बाद में रिश्ता वह सामान समस्याओं पैदा ना हो घरेलू बर्तनों का उपयोग रसायनों के मिश्रण आदि तैयार करने में कभी भी नहीं करना चाहिए इस मौसम में केवल वही खरीदें जो आपको चाहिए; केवल वही मिलाएं जो आपको आज चाहिए। कीटनाशकों की शेल्फ लाइफ सीमित हो सकती है, और संग्रहीत कीटनाशक खतरनाक हो सकते हैं। रसायनों में पानी या अन्य कोई भी रसायन हाथ से नहीं मिलाना चाहिए। इसके लिए दस्ताने वह अन्य किसी छड़ी का प्रयोग करना चाहिए। सुबह का समय रसायन के छिड़काव व स्प्रे के लिए नहीं है क्योंकि फसल में होने वाले परागकण को प्रभावित करता है तो रसायनों का छिड़काव फसलों में शाम के समय करना चाहिए। रसायनों का छिड़काव शांत मौसम में छिड़काव करना चाहिए।

कृषि रसायनों के प्रयोग में सावधानियां: कृषि रसायनों का प्रयोग किस तरह से करना चाहिए, कि किसान को अनावश्यक खर्च न करना पड़े और साथ ही अधिक से अधिक प्रभावित लाभ देख सके। उचित यंत्रों का प्रयोग करते हुए, रसायनों के पैकेट को मुंह से दूर रखते हुए खोलें, रसायनों के बीजउपचार करते समय हाथों में दस्ताने पहनना चाहिए। बीजउपचार या छिड़काव रसायन की संतुलित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए। कृषक रसायनों के घोल बनाते समय घरेलू बर्तनों का उपयोग ना करें और दवा का सही आकलन निर्देशन के अनुसार करें कोई भी रसायन आपस में अपनी समाज के अनुसार नहीं मिलाना चाहिए। रसायनों को खेत या खड़ी फसल में प्रयोग करते समय मुंह सहित शरीर के सभी भागों को अच्छी तरह से ढक होना चाहिए। मुख्यतः कृषक को आंखों को बचाना चाहिए। छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में करना चाहिए। रसायन का फसल में प्रयोग करते समय एक सहायक हमेशा साथ रखें, टंकी को पूरा नहीं भरना चाहिए, उसका कुछ हिस्सा हमेशा खाली होना चाहिए क्योंकि रसायनों में एक दूसरे के आपस में मिलाने पर या पानी में मिलाने से रसायन क्रियाशील होकर गैस बनाते हैं। रसायनों का प्रयोग करते समय किसी भी पदार्थ धूम्रपान, पानमसाला, भोजन, चाय, पानी इत्यादि नहीं पीना चाहिए, पहले हाथों को साबुन से अच्छी तरह साफ कर ले।

यदि आपने किसी कीटनाशक को मिलाया या पतला किया है और आपके पास थोड़ा बहुत बच गया है, तो बचे हुए मिश्रण का उपयोग करें।

कृषि रसायनों के प्रयोग करने के बाद सावधानी: किसान की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह उन फसल, फसल उत्पादों, सब्जी, चारा आदि से खुद व पशुओं को कुछ दिनों के लिए दूर रखें। जिस फसल में रसायनों का प्रयोग किया गया उससे पशुओं के लिए चारा, सब्जी नहीं लानी चाहिए। खाली डिब्बों व बोतल को बच्चों की पहुंच से दूर रखें और खाली पैकेजिंग को गड्ढा खोदकर दबा दें। छिड़काव यंत्रों को पानी से अच्छी तरह साफ कर ले, छिड़काव करने वाले व्यक्ति को अपने सभी कपड़े साबुन से अच्छी तरह साफ करना चाहिए और यदि छिड़काव करने वाले व्यक्ति में रसायनों के प्रभाव दिखते हैं तो डॉक्टर से परामर्श ले।

रसायनों के भंडारण सुझावों को ध्यान में रखें: कृषि रसायनों का समुचित भंडारण किसानों के लिए एक अलग तरह की समस्या है। भंडारण संबंधी निर्देशों के लिए हमेशा लेबल पढ़ें। लोगों, जानवरों और कीटनाशकों की सुरक्षा के लिए कीटनाशकों का उचित भंडारण महत्वपूर्ण है। एक सामान्य नियम के रूप में, कीटनाशकों को 40-90 डिग्री फ़ारेनहाइट के बीच सबसे अच्छा संग्रहित किया जाता है। भंडारण के लिए

ऐसे खाली कमरों का इस्तेमाल करना चाहिए। एक अच्छी तरह हवादार स्थान चुनें, जहाँ बच्चे और पालतू जानवर न पहुँच सकें। भंडारण भोजन, चारे, आग की लपटों, तालाबों, झरनों और पीने के पानी से दूर एक स्थान चुनें। रसायन का भंडारण कभी भी सयन कक्ष मैं नहीं होना चाहिए। अवांछित कीटनाशकों का भंडारण करने के बजाय उनका उचित तरीके से निपटान करें।

निष्कर्ष: कृषि रसायनों के घातक प्रभाव से बचने के लिए आवश्यक है कि उन पर लिखें निर्देशों का पालन सही प्रकार से किया जाना चाहिए तथा इसमें किसी भी प्रकार की असावधानी न करनी चाहिए। जिससे कि अधिकतम प्रभावित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। कृषि रसायनों की आवश्यकता को कम करने के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM) का अभ्यास करें।